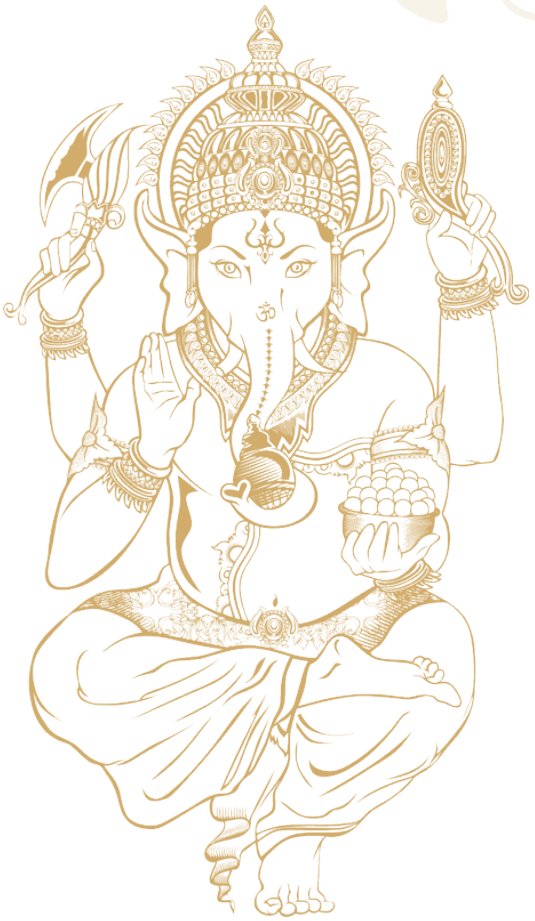

Kapil

06 Apr 1995

10:30 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121262013

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:14:21 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:52:32 घंटे
वेलान्तर	-00:02:35 घंटे
साम्पातिक काल	22:48:36 घंटे
सूर्योदय	06:24:15 घंटे
सूर्यास्त	18:56:19 घंटे
दिनमान	12:32:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:08:40 मीन
लग्न के अंश	01:07:39 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:07:39	338:34:44	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मीन	22:08:40	00:59:04	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृष	29:57:08	11:50:06	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	20:16:34	00:08:26	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	मीन	13:32:09	01:55:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु	व		वृश्चि	21:33:19	00:00:53	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	16:59:17	01:12:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	24:57:03	00:06:50	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			तुला	11:54:27	00:01:38	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	11:54:27	00:01:38	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	06:19:40	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:37:36	00:00:43	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:30:35	00:01:03	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	16:51:57	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:37

लग्न-चलित

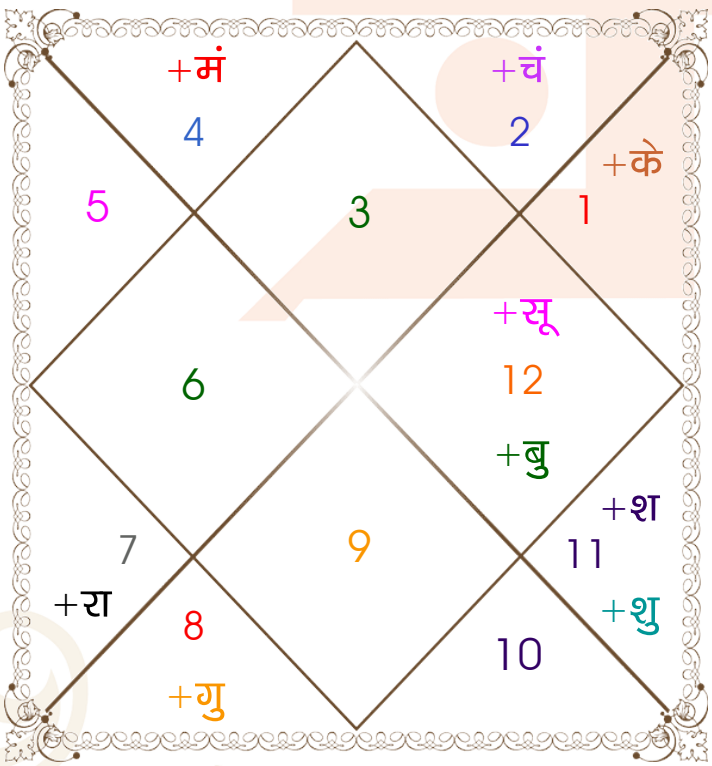

चन्द्र कुंडली

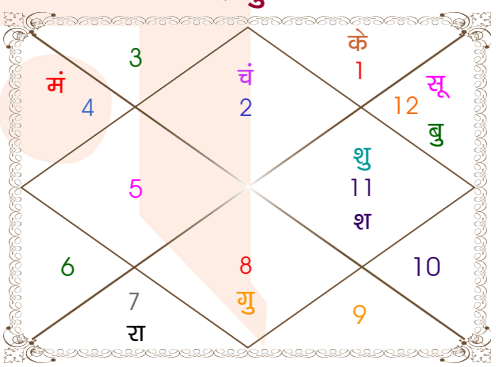

नवमांश कुंडली

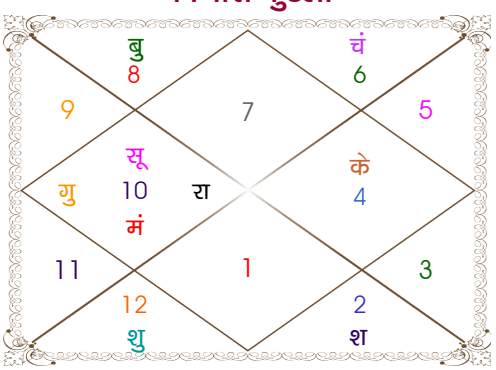

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 6 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/04/1995		14/10/1998		14/10/2016		14/10/2032		15/10/2051	
14/10/1998		14/10/2016		14/10/2032		15/10/2051		14/10/2068	
	00/00/0000	राहु	27/06/2001	गुरु	02/12/2018	शनि	18/10/2035	बुध	12/03/2054
	00/00/0000	गुरु	20/11/2003	शनि	14/06/2021	बुध	27/06/2038	केतु	10/03/2055
	06/04/1995	शनि	26/09/2006	बुध	20/09/2023	केतु	06/08/2039	शुक्र	07/01/2058
शनि	15/04/1995	बुध	15/04/2009	केतु	26/08/2024	शुक्र	05/10/2042	सूर्य	14/11/2058
बुध	11/04/1996	केतु	03/05/2010	शुक्र	27/04/2027	सूर्य	17/09/2043	चंद्र	14/04/2060
केतु	07/09/1996	शुक्र	03/05/2013	सूर्य	13/02/2028	चंद्र	18/04/2045	मंगल	12/04/2061
शुक्र	08/11/1997	सूर्य	28/03/2014	चंद्र	14/06/2029	मंगल	27/05/2046	राहु	30/10/2063
सूर्य	15/03/1998	चंद्र	26/09/2015	मंगल	21/05/2030	राहु	02/04/2049	गुरु	04/02/2066
चंद्र	14/10/1998	मंगल	14/10/2016	राहु	14/10/2032	गुरु	15/10/2051	शनि	14/10/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/10/2068		15/10/2075		15/10/2095		15/10/2101		16/10/2111	
15/10/2075		15/10/2095		15/10/2101		16/10/2111		00/00/0000	
केतु	12/03/2069	शुक्र	13/02/2079	सूर्य	01/02/2096	चंद्र	16/08/2102	मंगल	13/03/2112
शुक्र	12/05/2070	सूर्य	13/02/2080	चंद्र	02/08/2096	मंगल	17/03/2103	राहु	31/03/2113
सूर्य	17/09/2070	चंद्र	14/10/2081	मंगल	08/12/2096	राहु	15/09/2104	गुरु	07/03/2114
चंद्र	18/04/2071	मंगल	14/12/2082	राहु	01/11/2097	गुरु	15/01/2106	शनि	07/04/2115
मंगल	14/09/2071	राहु	14/12/2085	गुरु	21/08/2098	शनि	16/08/2107		00/00/0000
राहु	02/10/2072	गुरु	14/08/2088	शनि	03/08/2099	बुध	14/01/2109		00/00/0000
गुरु	08/09/2073	शनि	15/10/2091	बुध	09/06/2100	केतु	15/08/2109		00/00/0000
शनि	17/10/2074	बुध	15/08/2094	केतु	15/10/2100	शुक्र	16/04/2111		00/00/0000
बुध	15/10/2075	केतु	15/10/2095	शुक्र	15/10/2101	सूर्य	16/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।